www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

वर्ष – 15 | अंक–23 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, सोमवार 22 दिसम्बर 2025 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–4 | मूल्य 1 रुपया

असम में पीएम ने किया फर्टिलाइजर प्लांट का शिलान्यास

कांग्रेस पर जमकर बरसे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नामरूप में नए यूरिया प्लांट का भूमि पूजन किया। उन्होने इसे असम के औद्योगिक विकास और युवाओं के रोजगार के लिए बड़ा कदम बताया। पीएम ने कहा कि उनकी सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सीधे खातों में पैसे भेज रही है। उन्होने कांग्रेस पर अवैध घुसपैठियों को बसाने और विकास रोकने का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की।

नई दिल्ली (एजेंसी)प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नामरूप में श्असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनीश के नए यूरिया प्लांट का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने असम के विकास और किसानों के हितों को लेकर कई बड़ी बातें कहीं।पीएम ने कहा कि नामरूप और डिब्रूगढ़ के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। इस प्लांट से न केवल खाद का उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के अवसर भी खुलेंगे।मोदी ने बताया कि बीज से लेकर बाजार तक सरकार किसानों के साथ है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये सीधे खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन और इस प्लांट का निर्माण दिखाता है कि असम अब विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है।विपक्ष पर हमला

पीएम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने खाद फैक्ट्रियां बंद होने दीं और किसानों पर लाठियां चलवाईं। उन्होंने कांग्रेस पर श्वोट बैंकश की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठियों को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया।मोदी ने गारंटी दी कि बीजेपी असम की जमीन, जंगल और सम्मान की रक्षा के लिए ष्फौलादष की तरह खड़ी है और किसी भी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगी।

अटल जी की जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी देश को समर्पित करेंगे 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल': मुख्यमंत्री योगी

यातायात परिवर्तन, पार्किंग व पैदल मार्ग के लिए स्पष्ट साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होने मीडिया प्रबंधन, स्वागत व्यवस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुति और प्रोटोकाल में समन्वय व समयबद्धता सुनिश्चित करने को भी कहा।

लखनऊ (एजेंसी)उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 25 दिसंबर को राज्य के दौरे की तैयारियों और नवनिर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा लखनऊ को प्रदान किया जा रहा यह उपहार राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक विरासत एवं गौरव का प्रतीक बनेगा।एक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन करेंगे।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, यातायात, प्रोटोकॉल, आतिथ्य एवं भीड़ प्रबंधन से संबंधित सभी व्यवस्था उच्चतम मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे।मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर से आने वाले दो लाख से अधिक लोगों की व्यवस्था, परिवहन, पार्किंग, बस रूट योजना, नियंत्रण कक्ष एवं चिकित्सा इकाइयों की समीक्षा की और कहा कि प्रत्येक बस, पार्किंग ब्लॉक और प्रवेश द्वार के लिए जिम्मेदार नोडल अधिकारी नामित किए जाएं।योगी ने पुलिस एवं प्रशासन को अति विशिष्ट व्यक्ति (वीवीआईपी) रूट, हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल एवं जनसभा क्षेत्र में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू करने तथा यातायात परिवर्तन, पार्किंग व पैदल मार्ग के लिए स्पष्ट साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मीडिया प्रबंधन, स्वागत व्यवस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुति और प्रोटोकॉल में समन्वय व समयबद्धता सुनिश्चित करने को भी कहा।

झारखण्ड में कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से दो मजदूर फंसे

झारखण्ड (एजेंसी) झारखंड के हजारीबाग जिले में एक खदान का हिस्सा ट्रक पर गिरने से दो मजदूर फंस गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना शनिवार रात करीब 11 बजे उरीमारी थाना क्षेत्र के 'सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड' (सीसीएल) के कमांड क्षेत्र में उस समय हुई, जब खदान का एक हिस्सा कोयला ढोने वाले वाहन पर गिर गया।बड़कागांव के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) पवन कुमार ने बताया कि ट्रक में फंसे श्रमिकों की पहचान सुनील यादव (30) और राजू पासवान (50) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया, "दोनों श्रमिकों को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है। एक अन्य व्यक्ति को दुर्घटनास्थल से निकाल लिया गया और उसे यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।"एसडीपीओ ने बताया कि फंसे श्रमिकों को कोयला श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन, अंधेरा और कोहरे के कारण शनिवार रात नहीं निकाला जा सका। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद खदान में काम करने वाले मजदूरों ने कोयला खनन का काम रोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, पत्नी से खर्चों का हिसाब मांगना अपराध नहीं, रद्द की एफआईआर

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि कोई पति अपनी पत्नी से घर के खर्चोंका हिसाब रखने के लिए एक्सेल शीट बनाने को कहता है, तो इसे वैवाहिक क्रूरता नहीं माना जा सकता। इसी आधार पर आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती।

इस टिप्पणी के साथ ही शीर्ष अदालत ने पत्नी द्वारा पति के खिलाफ दर्ज की गई स्नढ़ढक्र को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि यह भले ही भारतीय समाज की एक वास्तविकता हो कि कई मामलों में पुरुष घर के वित्तीय मामलों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन मात्र इस आधार पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करना उचित नहीं है।मामले की सुनवाई जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने की। बेंच ने कहा कि अदालतों को वैवाहिक विवादों से निपटते समय अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए और व्यावहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि कई शिकायतें शादीशुदा जीवन की रोजमर्रा की छोटी–मोटी बातों से जुड़ी होती हैं, जिन्हें क्रूरता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।पीठ ने कहा कि पति पर यह आरोप लगाया गया था कि उसने पत्नी को घर के सभी खर्चों का रिकॉर्ड रखने के लिए एक्सेल शीट बनाने को मजबूर किया। यदि इस आरोप को सही भी मान लिया जाए, तो भी यह मानसिक या शारीरिक क्रूरता नहीं माना जा सकता, खासकर तब जब किसी ठोस नुकसान या उत्पीड़न का कोई प्रमाण सामने नहीं आया हो।कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वित्तीय मामलों में पति का दबदबा अपने आप में आपराधिक क्रूरता नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि आपराधिक कानून का इस्तेमाल व्यक्तिगत दुश्मनी निकालने या श्स्कोर सेटलश्य करने के हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।पति की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभजीत जौहर की दलील को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि यह मामला कानून के दुरुपयोग का प्रतीत होता है। स्नढ़ढक्र के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि लगाए गए आरोप सामान्य और अस्पष्ट हैं तथा उत्पीड़न की किसी विशिष्ट घटना या ठोस साक्ष्य का उल्लेख नहीं किया गया है।पीठ ने दोहराया कि वैवाहिक मामलों में शिकायतों की जांच अत्यंत विवेक और सावधानी से की जानी चाहिए, ताकि न्याय की विफलता और कानून के दुरुपयोग को रोका जा सके। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि शिकायत में लगाए गए आरोप शादीशुदा जीवन की सामान्य असहमति को दर्शाते हैं और उन्हें किसी भी तरह से क्रूरता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

मणिपुर में 600 एकड़ से अधिक भूमि पर चूरा पोस्त की अवैध फसल नष्ट की गई

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा शनिवार को तेंगनौपाल जिले मेंवाहनों की नियमित जांच के दौरान नशीला पदार्थो के एक संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास 212 ग्राम 'ब्राउन शुगर' बरामद हुई

एजेंसी/मणिपुर के उखरुल और कांगपोकपी जिलों में सुरक्षा बलों ने 600 एकड़ से अधिक भूमि पर चूरा पोस्त की अवैध फसल नष्ट कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस ने बताया कि 16 से 20 दिसंबर के बीच उखरुल जिले के याओलन, लमलाई चिंगफेई, शोंगफेल, मुल्लम, तोरा, चम्फुंग, टेनेम, फाली और चंगटा समेत विभिन्न स्थानों पर कुल 559 एकड़ भूमि पर चूरा पोस्ट की फसल नष्ट की गई।सुरक्षा बलों ने शनिवार को कांगपोकपी जिले के एल सिमोल, जांगनॉम्फाई और एस पी नाइमुन क्षेत्रों में एक अलग अभियान में 42 एकड़ चूरा पोस्त की फसल नष्ट की। इस अभियान के तहत तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा शनिवार को तेंगनौपाल जिले मेंवाहनों की नियमित जांच के दौरान नशीला पदार्थों के एक संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास 212 ग्राम 'ब्राउन शुगर' बरामद हुई।

जी-राम-जी विधेयक पारित करने के खिलाफ 27 दिसंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक

नयी दिल्ली (एजेंसी) सरकार के मनरेगा की जगह वीबी जी–राम–जी विधेयक पारित करने के खिलाफ कांग्रेस आज देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रही है और इस पर उसकी आगे की रणनीति तय करने के बारे में 27 दिसंबर को यहां

पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में विचार किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है और रोजगार गारंटी के इस अधिकार को अनुग्रह में बदल दिया है।वेणुगोपाल ने कहा ष्मनरेगा का काम करने का एक कानूनी अधिकार था, न कि कोई कल्याणकारी योजना। इसकी निधि सीमित और नियंत्रण केंद्रीकृत कर इसकी मांग–आधारित प्रकृति को बदलकर, भाजपा ने इस अधिकार को बजट पर निर्भर योजना में बदल दिया है, जिससे करोड़ों ग्रामीण परिवार असुरक्षा और संकट में धकेल दिये गये हैं। इसके विरोध में कांग्रेस आज देश भर के जिला मुख्यालयों में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है और उन श्रमिकों के साथ खड़ी है जिनकी आजीविका और गरिमा पर हमला हो रहा है।कांग्रेस महासचिव ने कहा कि काम के अधिकार पर इस गंभीर हमले को लेकर पार्टी की कार्यसमिति की 27 दिसंबर को होने वाली बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। इस मुद्दे पर पार्टी के वरिष्ठ नेता जहां विचार–विमर्श करेंगे वहीं इसकी आगे की रणनीति और कार्रवाई के बारे में भी निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक के अगले दिन 28 दिसंबर को कांग्रेस स्थापना दिवस पर कार्यकर्ता महात्मा गांधी के चित्र को लेकर देशभर के मंडलों और पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित करेंगे और नागरिकों के लिए आदर्शों, न्याय, गरिमा और काम के अधिकार के संवैधानिक वादे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

जयशंकर ने भगवान कृष्ण और हनुमान को दुनिया के सबसे महान राजनयिक बताया

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पुणे में कहा कि भगवानकृष्ण और हनुमान दुनिया के महानतम राजनयिक थे। उन्होने भारतीय संस×ति और ग्रंथों को रणनीतिक सोच का आधार बताया। जयशंकर के अनुसार, आज की बहुध्रुवीय दुनिया में भारत अपनी जरूरतों और राष्ट्रहित के आधार पर गठबंधन करता है। उन्होने युवाओं से दुनिया को एक श्ग्लोबल वर्कप्लेसश के तौर पर देखने का आह्वान किया।

नई दिल्ली (एजेंसी)विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारतीय संस्कृति और ग्रंथों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि रणनीति और कूटनीति के सबसे बड़े उदाहरण हमारे अपने इतिहास में मौजूद हैं। पुणे पुस्तक महोत्सव में उन्होंने भगवान कृष्ण और भगवान हनुमान को श्महान राजनयिकश बताया।जयशंकर ने कहा कि रामायण और महाभारत केवल परिवार या शक्ति के संघर्ष की कहानियां नहीं हैं, बल्कि इनमें कूटनीति और श्गेम प्लानश के गहरे सबक छिपे हैं।उन्होंने बताया कि कैसे भगवान हनुमान ने लंका जाकर न केवल जानकारी जुटाई, बल्कि रावण को मनोवैज्ञानिक रूप से हराया और माता सीता का हौसला बढ़ाया। यह एक सफल डिप्लोमैट का बेहतरीन उदाहरण है।आज की वैश्विक राजनीति को उन्होंने श्गठबंधन का दौरश बताया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। हम उन देशों के साथ जुड़ते हैं जो भारत की प्रगति में मदद करते हैं।ग्लोबल ब्रांड इंडिया श्ब्रेन ड्रेनश पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज भारतीयों का दुनिया में एक श्ग्लोबल ब्रांडश बन चुका है। यूरोप और रूस जैसे देश भारतीय टैलेंट का स्वागत कर रहे हैं।

राजस्थान में दो साल में जनकल्याण और विकास की नींव हुई मजबूत: मुख्यमंत्री शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रही है और लगभग 200 कर्मचारियों को अनुशासनहीनता सहित विभिन्न मामलों में निलंबित किया गया है तथा 34 मामलों में अभियोजन की स्वीकृति दी जा चुकी है।

एजेंसी/मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में जनकल्याण और विकास की ऐसी मजबूत नींव तैयार की है, जिसका लक्ष्य राजस्थान को अग्रणी राज्य बनाना है।शर्मा, भीलवाड़ा के मांडलगढ़ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के कल्याण के साथ राज्य में आधारभूत ढांचे का विकास, औद्योगिक विस्तार और युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार पर राज्य सरकार ने प्रतिबद्धता के साथ काम किया है।शर्मा ने कहा कि सुशासन, सेवा एवं संवेदनशीलता हमारी सरकार की कार्य संस्कृति बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर नागरिक की समस्या का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशीलता के साथ हो तथा इसी कड़ी में ग्रामीण और शहरी शिविरों के माध्यम से योजनाओं व सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हम पांच वर्ष के कार्यकाल में चार लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियां के लक्ष्य पर प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं जबकि दो साल में 92 हजार से अधिक पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दी गई हैं।शर्मा ने कहा कि वहीं 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन हैं।आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने इस दौरान भीलवाड़ा में 322 करोड़ रुपये से अधिक राशि के 30 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के विरूद्ध सख्त कार्रवाई कर रही है और लगभग 200 कर्मचारियों को अनुशासनहीनता सहित विभिन्न मामलों में निलंबित किया गया है तथा 34 मामलों में अभियोजन की स्वीकृति दी जा चुकी है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के विकास को नई दिशा मिल रही है।

प्रियंका गांधी ने मलयालम अभिनेता श्रीनिवासन के निधन पर जताया शोक, परिवार के प्रति व्यक्तकी संवेदनाएं

नयी दिल्ली (एजेंसी)कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता, पटकथा लेखक और फिल्ममेकर श्रीनिवासन के निधन पर दुख व्यक्त किया। रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रियंका ने दिवंगत अभिनेता को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संवेदना व्यक्त करते हुए प्रियंका गांधी ने बताया कि श्रीनिवासन की कला ने भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया और करोड़ों लोगों के दिलों को छुआ। प्रियंका गांधी ने पोस्ट में लिखा, ष्मलयालम एक्टर और फिल्ममेकर श्रीनिवासन के निधन से बहुत दुख हुआ। उनकी मानवीय विषयों पर केंद्रित कहानियां, तेज बुद्धि और यादगार परफॉर्मेंस ने भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया और अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। उनके परिवार और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।श्रीनिवासन के निधन पर फिल्म जगत और राजनीति से जुड़े कई लोगों ने शोक व्यक्त किया है। अभिनेता दुलकर सलमान, रजनीकांत, ममूटी समेत तमाम एक्टर्स ने दुख व्यक्त किया। श्रीनिवासन का निधन 20 दिसंबर को केरल के कोच्चि में हुआ। वह 69 वर्ष के थे और लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। वे उम्र से जुड़ी बीमारियों और हृदय संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, अभिनेता को साल 2022 में कार्डियक स्ट्रोक हुआ था, जिसके बाद उनकी सर्जरी भी हुई थी।मलयालम सिनेमा के स्तंभ कहे जाने वाले श्रीनिवासन ने अपने पांच दशक लंबे करियर में 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता, बल्कि पटकथा लेखक, निर्देशक और निर्माता के रूप में भी जाने जाते थे। उनकी फिल्में सामाजिक मुद्दों, व्यंग्य और आम आदमी की जिंदगी पर केंद्रित होती थीं। उन्होंने एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, दो फिल्मफेयर अवार्ड साउथ और कई केरल राज्य फिल्म पुरस्कार जीते। श्रीनिवासन के परिवार में पत्नी विमला और दो बेटे विनीत श्रीनिवासन और ध्यान श्रीनिवासन हैं, जो खुद मलयालम सिनेमा में सक्रिय हैं। विनीत एक सफल निर्देशक हैं और उन्होंने हृदयम जैसी सफल फिल्म का निर्माण किया है।

आरएसएस को भाजपा से जोड़कर समझना बड़ी गलती, मोहन भागवत ने ऐसा क्यों कहा?

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ को केवल राजनीतिक नजरिए या भाजपा के संदर्भ में समझना एक बड़ी भूल है। कोलकाता में उन्होने स्पष्ट किया कि आरएसएस सिर्फ एक सेवा संगठन नहीं, बल्कि समाज में नैतिक और निस्वार्थ नागरिकों को गढ़ने का माध्यम है। भागवत ने राष्ट्र निर्माण के लिए सनातन मूल्यों और स्वदेशी को अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

नयी दिल्ली (एजेंसी)राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन की छवि और कार्यशैली को लेकर चल रही धारणाओं पर बड़ा बयान दिया है। कोलकाता में आयोजित श्व्याख्यान मालाश कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि संघ को राजनीति या केवल एक सेवा संगठन के चश्मे से देखना गलतफहमी पैदा करता है।भागवत ने स्पष्ट किया कि कई लोग संघ को केवल भाजपा से जोड़कर देखते हैं, जो एक बड़ी गलती है। उन्होंने कहा कि संघ की अपनी एक स्वतंत्र और व्यापक पहचान है। संघ का मुख्य उद्देश्य समाज में सज्जन (नैतिक रूप से ईमानदार) लोगों का निर्माण करना है। ऐसे लोग जो निस्वार्थ सेवा और मूल्यों के साथ राष्ट्र के विकास में योगदान दें।

संघ के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सिलीगुड़ी और कोलकाता में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें डॉक्टर, वकील, पूर्व अधिकारी और युवाओं समेत समाज के हर वर्ग के लोग हिस्सा ले रहे हैं।युवाओं से चर्चा के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सनातन सांस्कृतिक मूल्यों और आत्मनिर्भरता को अपनाने पर जोर दिया।

कांग्रेस व जनसुराज में पक रही खिचड़ी

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की तो इसके राजनीतिक मायने निकाले जाने लगे। प्रशांत किशोर लगभग सभी राजनीतिक दलों के साथ काम कर चुके हैं। तब वह चुनावी रणनीति तक ही सीमित रहे लेकिन अब प्रशांत किशोर पूरी तरह राजनीति में आ चुके हैं तो कांग्रेस और जन सुराज के बीच क्या खिचड़ी पक रही है, उसकी चर्चा होना स्वाभाविक है। हालांकि दोनों नेताओं ने इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया लेकिन प्रशांत किशोर कोई खेल खेलने वाले हैं, इसकी पूरी संभावना है। चुनाव के दौरान कांग्रेस और राजद में कई बार तकरार भी देखने को मिली थी। इसके चलते यह मुलाकात महत्वपूर्ण है।

चुनावी रणनीतिकार और जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) की हाल ही में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी से दिल्ली में हुई मुलाकात की चर्चा के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। यह मुलाकात बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के कुछ सप्ताह बाद हुई, जब जन सुराज पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था और कांग्रेस का प्रदर्शन भी उम्मीदों से कम रहा था। अब ऐसे में सवाल यह है कि बिहार चुनाव के बाद प्रशांत किशोर किस मिशन में जुटे हैं?

दरअसल प्रियंका गांधी के साथ लगभग 2 घंटे बंद कमरे की लंबी बातचीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को यह चर्चा करने पर मजबूर कर दिया है कि क्या प्रशांत किशोर भविष्य की राजनीति कांग्रेस के साथ मिलकर करने का विचार कर रहे हैं। अब चर्चा तेज हो गयी है कि प्रशांत किशोर प्रियंका गांधी से मुलाकात के बाद क्या कर रहे हैं। क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस के साथ किसी सीक्रेट प्लानिंग पर काम तो नहीं कर रहे हैं? बताया जा रहा है कि फिलहाल जनसुराज प्रोफेशनल टीम को भंग कर दिया गया है। जनवरी से इसे फिर से शुरू करने की चर्चा है। ऐसे में प्रशांत अपने खास लोगों के साथ मिलकर ही पार्टी की रणनीतियों को लेकर योजना बना रहे हैं। दरअसल प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की मीटिंग को कांग्रेस में प्रशांत किशोर के संभावित प्रवेश या किसी बड़े राजनीतिक समझौते की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। चर्चा तो यह भी है कि प्रशांत किशोर कांग्रेस के साथ जुड़कर बिहार में किसी बड़ी योजना पर काम करने में जुट गए हैं। वहीं प्रशांत किशोर की कंपनी बंगाल समेत अन्य राज्यों के चुनाव में कांग्रेस की मदद भी कर सकती हैं। हालांकि इसको लेकर किसी भी पक्ष ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में जन सुराज पार्टी को किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई। इसे पार्टी की पहली बड़ी चुनावी परीक्षा के रूप में देखा गया, लेकिन परिणाम बेहद निराशाजनक रहे। चुनाव के दौरान प्रशांत किशोर ने खुद चुनाव नहीं लड़ा, पर पार्टी ने 238 सीटों पर उम्मीदवार उतारे। चुनाव के तुरंत बाद पार्टी का प्रदर्शन और भविष्य की दिशा दोनों ही सवालों के घेरे में हैं। वहीं प्रशांत किशोर की राजनीतिक भूमिका को लेकर चर्चा तेज हो गई है। संभावना जताई जा रही है कि प्रशांत किशोर कांग्रेस के साथ मिलकर किसी योजना पर काम कर रहे हैं। जनसुराज के समर्थकों ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो इंटरव्यू भी साझा किया है, जिसमें प्रशांत किशोर ने कहा कि वे अगले 10 साल तक बिहार के लिए काम करना जारी रखेंगे। इस वीडियो में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि बिहार को दीर्घकालिक बदलाव के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि जब तक बिहार भारत के 10 अग्रणी राज्यों में शामिल नहीं हो जाता, तब तक वह यहीं काम करते रहेंगे। इस बयान को जनसुराज के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जनसुराज पर शेयर किया गया। ऐसे में प्रशांत किशोर के इस स्टेटमेंट से यह तो समझा जा सकता है कि वह फिलहाल बिहार की राजनीति से दूर नहीं जाने वाले हैं। प्रियंका गांधी से मुलाकात के बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रशांत किशोर कांग्रेस के साथ राजनीतिक पारी को लेकर विचार कर रहे हैं। खासकर बिहार और राष्ट्रीय राजनीति में विपक्षी मोर्चे को मजबूत करना। कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें तेज हो रही हैं, लेकिन किशोर और कांग्रेस दोनों तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं आई है। जन सुराज पार्टी की हार के बावजूद प्रशांत किशोर सक्रिय हैं और राजनीतिक मंच पर अपनी भूमिका को फिर से चर्चा में लाने की ओर काम कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर और गांधी परिवार के रिश्ते नए नहीं हैं। सन् 2021 में जेडीयू से अलग होने के बाद किशोर ने कांग्रेस नेतृत्व के सामने पार्टी को पुनर्जीवित करने का एक ब्लूप्रिंट रखा था। अप्रैल 2022 में सोनिया गांधी के आवास पर हुई अहम बैठक में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद थे। उस समय किशोर कांग्रेस में शामिल होने को तैयार थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें 'एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप' का हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया। हालांकि यहीं से बात बिगड़ गई। किशोर ने सीमित भूमिका स्वीकार करने से इनकार कर दिया और खुलकर कहा कि कांग्रेस को व्यक्ति नहीं, बल्कि नेतृत्व और संरचनात्मक सुधारों की जरूरत है। इसके बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए और किशोर कांग्रेस के मुखर आलोचक बनते चले गए। दिलचस्प यह है कि बिहार चुनाव प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने न सिर्फ कांग्रेस बल्कि राहुल गांधी की 'वोट चोरी' और एसआईआर जैसे मुद्दों को भी चुनावी मुद्दा मानने से इनकार किया था। लेकिन चुनावी नतीजों के बाद उनकी प्रियंका गांधी से मुलाकात ने यह संकेत दिया है कि राजनीतिक संवाद के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।कांग्रेस और प्रशांत किशोर, दोनों ही खेमे यह कह रहे हैं कि यह केवल एक शिष्टाचार भेंट थी लेकिन राजनीति में संयोग कम और संकेत ज़्यादा मायने रखते हैं। बिहार में बुरी तरह विफल रहने के बाद प्रशांत किशोर का प्रियंका गांधी से मिलना यह जरूर दिखाता है कि वह अपने राजनीतिक विकल्पों पर नए सिरे से विचार कर रहे हैं। (हिफी)

सम्पादकीय

भाजपा नेहरू विवाद को नहीं छोड़ने वाली

यह इतिहास से ज्यादा राजनीति का सवाल है भाजपा की नजर में पंडित जवाहरलाल नेहरू कितने बड़े नेता थे? भाजपा कभी उनको इतना बडा नेता बताती है जैसे आजादी से पहले और बाद के सारे फैसले उन्होंने अकेले किए तो कभी इतना छोटा नेता बताती है कि वे अपने लिए एक आदमी का समर्थन नहीं जुटा पाए! एक तरफ भारतीय जनता पार्टी बताती है कि नेहरू इतने बड़े नेता थे कि उन्होंने देश का विभाजन कराया, श्वोट चोरीय करके देश के पहले प्रधानमंत्री बने, संविधान में तमाम किस्म की गड़बड़ियां कराई भारत को हिंदू राष्ट्र नहीं बनने दिया आदि आदि। लेकिन दूसरी ओर वही भाजपा कहती है कि नेहरू की इतनी हैसियत नहीं थी कि कांग्रेस की कोई प्रांतीय कमेटी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव करे।

सवाल है कि जब नेहरू में इतनी भी ताकत नहीं थी कि कांग्रेस की 15 प्रांतीय कमेटियों में से किसी एक कमेटी से अपने नाम की सिफारिश करा सकें और सरदार वल्लभ भाई पटेल इतने शक्तिशाली थे कि 15 में से 12 कमेटियों ने उनके नाम की सिफारिश की तो देश के विभाजन का फैसले नेहरू ने कैसे कराया? अगर सबसे शक्तिशाली महात्मा गांधी और सरदार पटेल थे तो इसका मतलब यह है कि सारे फैसले उन दोनों ने कराए! भाजपा क्यों नहीं कहती है कि देश के विभाजन से लेकर भारत के हिंदू राष्ट्र नहीं बनने तक और संविधान की गड़बड़ियों से लेकर कश्मीर के विवाद तक सबके लिए जिम्मेदार गांधी और पटेल थे, जो कांग्रेस और देश के सबसे बड़े नेता भी थे?

तभी आजादी से ठीक पहले और तुरंत बाद पंडित नेहरू की क्या स्थिति थी इसको समझने के लिए तीन कहानियां सुनने की जरुरत हैरू

पहली कहानी भाजपा को बहुत पसंद है। संसद में भी वंदे मातरम् पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुनाई थी और कहा था कि श्वोट चोरीय करके नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। वह कहानी असल में ऐसी है कि 1940 से लेकर 1946 तक मौलाना अबुल कलाम आजाद कांग्रेस के अध्यक्ष थे। दूसरे विश्वयुद्ध की वजह से कांग्रेस के अधिवेशन अनियमित हुए और मौलाना आजाद अध्यक्ष बने रहे थे। 1946 में जब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का फैसला हुआ तो उस समय तक तय हो गया था कि जो कांग्रेस का अध्यक्ष होगा वह अंतरिम सरकार का प्रमुख होगा। उस समय तीन दावेदार थे सरदार पटेल, आचार्य जेबी कृपलानी और पंडित नेहरू। इनके अलावा मौलाना आजादी भी अध्यक्ष बने रहना चाहते थे। हालांकि उनको चित्रदी लिख कर महात्मा गांधी ने कह दिया था कि वे उनकी निरंतरता के पक्ष में नहीं हैं। महात्मा गांधी चाहते थे कि नेहरू अध्यक्ष बनें। लेकिन 15 में से 12 प्रांतीय कमेटियों ने सरदार पटेल का नाम भेजा।

संक्षेप में कहानी यह है कि गांधी की इच्छा का सम्मान करते हुए सरदार पटेल और कृपलानी दोनों मैदान से हटे और नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष बने। अध्यक्ष बनने के एक महीने के बाद वायसराय ने उनको अंतरिम सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। जाहिर है नेहरू अपनी ताकत से अध्यक्ष नहीं बने थे और यह भी जाहिर है कि अगर कोई श्वोट चोरीय हुई थी तो वह उन्होंने नहीं की थी। वह तो गांधी थे, जिन्होंने प्रांतीय कमेटियों की सिफारिशों को रद्दी में डाला और नेहरू को अध्यक्ष बनवाया। तभी सवाल है कि प्रधानमंत्री हों या केंद्रीय गृह मंत्री या दूसरे भाजपा नेता वे इस बात को इसी रूप में क्यों नहीं कहते हैं? वे गांधी को जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराते हैं?

दूसरी कहानी आजादी के बाद 1950 के कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की है। ध्यान रहे अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के बाद नेहरू ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और चूंकि सरदार पटेल उप प्रधानमंत्री बने थे तो अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दो साल आचार्य जेबी कृपलानी ने संभाली। उसके बाद दो साल पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस अध्यक्ष रहे। फिर 1950 का चुनाव आया, जो आजादी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का सबसे चर्चित चुनाव रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आचार्य जेबी कृपलानी को अपने उम्मीदवार के तौर पर पेश किया और दूसरी ओर राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन उम्मीदवार बन गए। उनको सरदार पटेल का समर्थन था। घमासान मुकाबले में राजर्षि टंडन ने आचार्य कृपलानी को हरा दिया। यानी सरदार पटेल के उम्मीदवार ने पंडित नेहरू के उम्मीदवार को हरा दिया।

इसका मतलब है कि चार साल तक प्रधानमंत्री रहने के बावजूद कांग्रेस में नेहरू की ऐसी हैसियत नहीं बनी थी कि वे सरदार पटेल से जीत सकें। अब सोचें इस चार साल की अवधि के सारे फैसलों के लिए भी अकेले नेहरू को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जबकि उस अवधि में भी सबसे ताकतवर पटेल थे। उनको देशी रियासतों के विलय का श्रेय दिया जाता है। लेकिन बाकी गड़बड़ियों का ठीकरा नेहरू के सर फोड़ा जाता है! क्या इन चार वर्षों के तमाम फैसलों के लिए सरदार पटेल बराबर के या कुछ ज्यादा के जिम्मेदार नहीं थे?

तीसरी कहानी देश के पहले और दूसरे राष्ट्रपति के चुनाव की है। संविधान सभा के अध्यक्ष के नाते डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद कार्यकारी राष्ट्रपति थे। आजाद भारत में राष्ट्रपति का पहला चुनाव फरवरी 1952 में हुआ। तब तक सरदार पटेल का निधन हो चुका था। प्रधानमंत्री नेहरू की पसंद चक्रवर्ती सी राजगोपालाचारी थे। वे चाहते थे कि दक्षिण भारत से किसी नेता को राष्ट्रपति बनाया जाए। उनको लग रहा था कि दक्षिण भारत के नेताओं का समर्थन राजगोलाचारी के नाम पर मिलेगा। लेकिन नेहरू उनके लिए समर्थन नहीं जुटा सके और उनकी इच्छा के विरुद्ध राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रपति बने। दूसरी बार 1957 में भी नेहरू ने उनकी जगह उप राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन को राष्ट्रपति बनाना चाहा लेकिन तब भी कामयाब नहीं हुए और राजेंद्र बाबू दूसरी बार राष्ट्रपति बने। सोचें 1957 में 10 साल तक प्रधानमंत्री रहने के बाद भी नेहरू इतने ताकतवर नहीं थे कि अपनी पसंद से देश का राष्ट्रपति बनवा सकें!

ये तीनों कहानियां सही हैं और भाजपा को बहुत पसंद हैं। भाजपा के नेता अलग अलग कार्यक्रमों में इसमें खूब मिर्च मसाला लगा कर सुनाते भी हैं। अब सवाल है कि जब नेहरू में इतनी ताकत नहीं थी कि वे कांग्रेस की 15 कमेटियों में से एक भी समर्थन अपने लिए जुटा सकें तो फिर उन्होंने देश विभाजन का फैसला कैसे करवा दिया? देश विभाजन का फैसला भी तो उन लोगों ने करवाया होगा, जो ताकतवर थे, जिनको 12 कमेटियों का समर्थन मिला था या जिन्होंने 12 कमेटियों के समर्थन के बावजूद पटेल को प्रधानमंत्री नहीं बनने दिया? सबसे ताकतवर तो गांधी और पटेल थे, फिर देश विभाजन का ठीकरा उनके सर क्यों नहीं फूटता है? वहां क्यों या तो कांग्रेस कहा जाता है या नेहरू का नाम लिया जाता है? सोचें, सरदार पटेल ने चाह दिया तो नेहरू के उम्मीदवार जेबी कृपलानी को अध्यक्ष नहीं बनने दिया।

नेताओं में हिन्दू विरोध का फैशन

भारत का सनातन धर्म शांति और सद्भाव के मार्ग पर चलना सिखाता है लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं कि कोई उसको अपमानित करे और हिन्दुओं के आराध्य और रीति–रिवाजों की अनर्गल व्याख्या करे। राजनीति में तथाकथित हिन्दू नेता भी अब हिन्दू धर्म की खिल्ली उड़ाने में गर्व महसूस करते हैं। इससे उन्हें खबरों में जगह मिल जाती है लेकिन जनता के आक्रोश का सामना भी करना पड़ता है। अभी हाल में समाजवादी पार्टी के नेता आरके चौधरी ने नया ज्ञान दिया है। वह कहते हैं कि हिन्दुओं के दाह संस्कार से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है क्योंकि शव जलाने से कार्बन मोनोआक्साइड और कार्बन डाईआक्साइड गैसें निकलती हैं। इसी आधार पर वह होलिका दहन को भी रोकना चाहते हैं। उधर, पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी के एक नेता ने तो हिन्दू धर्म का इतिहास ही बदल दिया है। वह कहते हैं कि भगवान राम हिन्दू नहीं थे बल्कि मुसलमान थे। ऐसे नेताओं को अपना ज्ञान अपने तक ही सीमित रखना चाहिए। वे सामाजिक सद्भाव तो बिगाड़ ही रहे हैं, साथ ही भाजपा को एक मुद्दा भी पकड़ा देते हैं। पश्चिम बंगाल में अगले साल अर्थात् 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए ममता बनर्जी अपनी पार्टी के नेताओं की जुबान पर काबू रखवा सकें तो बेहतर होगा। सपा सांसद आरके चौधरी भी विवादित बयान देने में काफी आगे रहे हैं।

वायु प्रदूषण की समस्या के बीच समाजवादी पार्टी के नेता आरके चौधरी ने विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब दाह संस्कार के लिए शवों को जलाया जाता है, तो उसे कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलती है। इसकी वजह से वातावरण में ऑक्सीजन कम हो जाती है। यहां तक कि होलिका दहन के दौरान भी ऐसा होता है। चौधरी कहते हैं एयर पॉल्यूशन को लेकर हमारा देश गंभीर नहीं है। यह धर्म का मुद्दा नहीं, बल्कि पर्यावरण का मामला है।सपा सांसद आरके चौधरी ने कहा कि अपने देश में लोग पर्यावरण को लेकर सीरियस नहीं है। होलिका दहन पर करोड़ों जगह एक साथ होलिका दहन होता है। इससे वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड घुलती है। अगर ये चीजें पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही हैं तो दूसरे तरीकों के बारे में सोचना चाहिए। बॉडी को लकड़ी पर जलाने के बजाय और भी तरीके हैं। गौरतलब है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा, दिल्ली का प्रदूषण अब लखनऊ तक पहुंच गया है। इसीलिए लखनऊ में आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच नहीं हो पाया। दरअसल इसकी वजह कोहरा या फॉग नहीं, स्मॉग है। हमने जो पार्क लखनऊ की शुद्ध हवा के लिए बनवाए थे, भाजपा सरकार वहां भी इंवेटबाजी करवाकर उन्हें बर्बाद करना चाहती है। भाजपाई न इंसान के सगे हैं, न पर्यावरण के। मुंह ढक लीजिए कि आप लखनऊ में हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी को नोटिस जारी किया था। सपा सांसद पर जाति–धर्म के आधार पर वोट मांगने का आरोप लगाया गया था। यह आदेश न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने ज्ञानी की ओर से दाखिल निर्वाचन याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। याची के वकील विष्णु शंकर जैन और शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने कोर्ट को बताया कि चुनाव के समय न सिर्फ प्रत्याशी बल्कि उसकी पार्टी के द्वारा भी 'पीडीए' शब्द का कई बार प्रयोग किया गया है। याचिका के माध्यम से यह भी आरोप लगाया गया है कि 12 मई 2024 की चुनाव रैली में मोहनलालगंज में आरके चौधरी ने खुलेआम जाति व धर्म के नाम पर वोट मांगे। इसके साथ ही साथ ये भी बताया गया की सोशल मीडिया साइटों पर भी चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से आरके चौधरी व उनकी पार्टी द्वारा जाति, धर्म व समुदाय के आधार पर वोट मांगे गए।

सोशल मीडिया पर आए दिन नेताओं के ऐसे बयान तेजी से वायरल होते हैं और कई बार यही वीडियो बड़ी राजनीतिक और सामाजिक बहस की वजह बन जाते हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों जमकर वायरल हो रहा है। जो पश्चिम बंगाल से आया है। इसमें टीएमसी के एक नेता भगवान श्री राम को मुस्लिम बताते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। यूजर्स की प्रतिक्रियाएं बेहद तीखी हैं। कई लोग इस बयान को आस्था पर हमला बता रहे हैं. तो कुछ यूजर्स ने टीएमसी नेता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग तक कर दी है। टीएमसी नेता मदन मित्रा का भगवान श्रीराम को मुसलमान बताने वाला बयान सामने आते ही सोशल मीडिया पर भारी बवाल मच गया। लोगों का मानना है कि यह सिर्फ एक गैर जिम्मेदार टिप्पणी नहीं। बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था और धार्मिक भावनाओं का खुला अपमान है। वीडियो वायरल होते ही यूजर्स ने तीखी प्रतिक्रिया दी और इसे जानबूझकर किया गया उकसावे वाला बयान बताया। कई लोगों ने कहा कि ऐसे बयान समाज में तनाव फैलाने का काम करते हैं और नेताओं को बोलने से पहले जिम्मेदारी समझनी चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीएमसी नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठने लगी। कुछ यूजर्स ने गुस्से में फांसी की सजा तक की बात कह दी। कामरहाटी के विधायक एक जनसभा को संबोधित कर रहे हैं तभी उन्होंने वचह ज्ञान परोसा। फिलहाल तृणमूल ने विधायक मदन मित्रा द्वारा भगवान राम पर की गई टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया। पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि जब बात मदन मित्रा की हो, तो हम उनके बयानों पर टिप्पणी करने के योग्य नहीं हैं। हमने रामायण पढ़ी है, हम अयोध्या, लंका और सीतामढ़ी के बारे में जानते हैं। बंगाल बीजेपी ने कहा, हमारी संस्कृति और इतिहास का यह निरंतर अपमान कोई जुबान फिसलने वाली बात नहीं है! बल्कि यह अवैध बांग्लादेशियों को एक स्पष्ट संदेश है कि टीएमसी सबसे हिंदू–विरोधी पार्टी है और इसलिए उनके विचारों का प्रतिनिधित्व करती है। भाजपा ने टीएमसी को मित्रा के खिलाफ कार्रवाई करने की चुनौती भी दी। टीएमसी ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि विधायक के करीबी सूत्रों ने दावा किया– यह मनगढ़ंत है। उन्होंने कहा था कि भगवान राम धर्म से ऊपर हैं। इसे जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। (हिफी)

कोहरे ने मचाया कोहरा

उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान कोहरा इतना घना हो जाता है कि कुछ मीटर आगे देख पाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे हालात में थोड़ी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। यात्रा के समय सावधानी पर ध्यान दिया जाए तो हादसों को रोका जा सकता है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर 16 दिसंबर को मथुरा के पास कोहरे के कारण सुबह करीब साढ़े तीन बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 8 बसें और 3 कारें आपस में टकरा गईं। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई जबकि 70 से अधिक लोग घायल हो गए। इस हादसे से ठीक दो दिन पहले भी ऐसा ही एक हादसा हुआ। विजिबिलिटी कम होने के कारण यूपी–हरियाणा में एक के बाद एक कई हादसे हुए, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। इन सभी हादसे की वजह कम विजिबिलिटी बताई जा रही है। मरने वाले निर्दोष लोग अपने–अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गया। कोहरे के कहर का सिलसिला यूपी, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल तक चला और कितने ही जीवन लील गया। पंजाब में घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाना। इससे पहले 14 दिसम्बर सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने–सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुए।

सवाल फिर वही है आखिर कब तक कोहरा कहर बनकर जिंदगी लीलता रहेगा। साल दर साल सर्दी के मौसम में कोहरे की धुंध की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? देश की सरकार रोजाना सौ किलोमीटर सड़क का निर्माण करती है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं निकाल पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान–माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस–वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह–जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं। इसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस पर स्वतः संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध ढाबों–होटलों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा–निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी।

गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक विस्तृत 'सेफ ट्रैवल इन फॉग' एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी का मकसद लोगों को डराना नहीं, बल्कि उन्हें सचेत करना है ताकि वे सही सावधानियां अपनाकर खुद को और दूसरों को सुरक्षित रख सकें। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी–तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति–नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं बताया जा सकता। हां, इतना जरूर है कि वाहन चालकों को गति के साथ मति भी तेज रखनी होगी। यातायात नियमों का पालन करने में एक जिम्मेदार नागरिक का भी दायित्व निभाना होगा।

अगर किसी कारणवश कोहरे में सफर करना बेहद जरूरी हो जाए तो वाहन बेहद धीमी गति से चलाना चाहिए। इसके साथ ही वाहन को पूरी सतर्कता के साथ चलाने की जरूरत है। विशेष रूप से वाहन के म्यूजिक सिस्टम और एफएम रेडियो बंद रखें क्योंकि कोहरे के वक्त सुनने की क्षमता देखने से भी ज्यादा अहम हो जाती है। सामने या पीछे से आने वाले वाहन की आवाज, हॉर्न या किसी आपात स्थिति की ध्वनि समय पर सुनना हदसा टालने में मदद कर सकता है।

कोहरे के दौरान वाहन के शीशों पर नमी जमना एक आम समस्या है। इससे सामने का दृश्य और धुंधला हो जाता है। वाहन चलाते समय एयर कंडीशनर के इस्तेमाल से बचें, क्योंकि इससे कांच पर नमी जम सकती है। इसके बजाय हल्के हीटर का उपयोग करें और हवा का प्रवाह विंडशील्ड की ओर रखें। जिन वाहनों में डिफॉगर की सुविधा है, उन्हें हल्के गर्म मोड पर चालू रखना फायदेमंद होता है। इसके साथ ही वाहन की खिड़कियां थोड़ी खुली रखने की सलाह दी गई है।

कोहरे में वाहन की लाइट्स आपकी पहचान बन जाती हैं। एडवाइजरी में भी इस बात का जिक्र किया गया है कि हेडलाइट्स हमेशा लो बीम पर रखें, क्योंकि हाई बीम कोहरे में रिफ्लेक्ट होकर आंखों को और भ्रमित कर देती है। दिन के समय भी अगर कोहरा बना हुआ है, तो लाइट्स जलाकर चलना जरूरी है। कोहरे में सबसे खतरनाक गलती ओवरटेक करने की होती है। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐसे मौसम में ओवरटेक करने से बचना चाहिए। आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और अचानक ब्रेक लगाने से बचें। ब्रेक हमेशा धीरे–धीरे लगाएं, दो लेन वाली सड़कों पर वाहन धीमी गति से चलाना चाहिए और सड़क के बाएं किनारे के करीब रहना ज्यादा सुरक्षित होता है। बीच सड़क पर वाहन चलाना जोखिम भरा हो सकता है।

अतिरिक्त सुरक्षा उपाय के तौर पर जिला प्रशासन ने निजी वाहन चालकों से अपने वाहनों के पीछे लाल रंग की रेट्रो–रिफ्लेक्टिव टेप लगाने की अपील की है।

यह टेप कोहरे में दूर से ही चमक जाती है, जिससे पीछे से आने वाले वाहन को पहले ही संकेत मिल जाता है। कोहरा एक प्राकृतिक स्थिति है, जिसे बदला नहीं जा सकता, लेकिन समझदारी और सावधानी से इसके खतरों को जरूर कम किया जा सकता है।

जैव विविधता पर स्कूल स्तरीय प्रतियोगिता

अयोध्या। शिक्षा क्षेत्र मिल्कीपुर के ज्ञानोदय आदर्श शिक्षण संस्थान उध ुई में जूनियर स्तर के बच्चों ने अंतरविद्यालयी प्रतियोगिता में जैव विवि ता विषय पर आकर्षक चार्टों के माध्यम से पृथ्वी पर पाए जाने वाले जीवों के मध्य पारस्परिक संबंधों को समझाने का प्रयास किया। प्रतियोगिता में बच्चों ने निर्णायक मंडल को अपने मौखिकी में बताया कि पृथ्वी पर जीवन के लिए जैव विविधता आवश्यक है।वनस्पतियां जंतुओं के लिए एवं जंतु वनस्पतियों के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं। जैविक (जंतु एवं पेड़ पौध ो)एवं अजैविक घटक(सूर्य ,जल पहाड़) दोनों ही एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी पर पाए जाते वाले जलमंडल स्थल मंडल एवं वायुमंडलों में सूक्ष्म, माध्यम एवं बड़े आकर के जीव पाए जाते हैं।इन सभी जीवों का पारस्परिक संबंध ही जैव विविधता का आधार है। प्रतियोगिता में अंशिका कक्षा 8 की प्रथम, सृष्टि द्वितीय एवं आयुषी कक्षा 7 तृतीय स्थान पर रही।विजेताओं को प्रधानाचार्य आर एस गौतम में पुरस्कृत किया।

निराश्रितों व मुसाफिरों के लिए अलाव शिविर का शुभारंभ

अयोध्या।हाड़ कंपा देने वाली ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सियाराम चौरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार, 21 दिसंबर को सायं 5:00 बजे अलाव शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर निराश्रित,

बेसहारा एवं आने–जाने वाले मुसाफिरों को ठंड से बचाने के लिए प्रारंभ किया गया है।शिविर के व्यवस्थापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी रामानुज सिंह राम ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ठंड के मौसम में जरूरतमंदों की सेवा के लिए यह पहल की गई है। शुभारंभ अवसर पर सिद्धपीठ नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास जी महाराज तथा सहादतगंज वार्ड के पार्षद संतोष सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर महंत रामदास जी महाराज ने कहा कि ठंड के समय गरीब, निराश्रित लोगों के साथ–साथ बेसहारा जानवरों के लिए भी अलाव जलाना पुण्य का कार्य है। वहीं पार्षद संतोष सिंह ने बताया कि उनके वार्ड में समाजसेवी रामानुज सिंह राम द्वारा लगातार अलाव जलवाया जा रहा है, जिसमें सभी लोग सहयोग कर रहे हैं, ताकि राहगीरों और जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिल सके। रामानुज सिंह राम ने कहा कि सियाराम चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शीतकाल में कंबल वितरण, अलाव जलाना और गरीबों की सेवा निरंतर की जाती है। उन्होंने बताया कि यदि नगर निगम द्वारा अलाव की व्यवस्था नहीं की जाती है, तो ट्रस्ट स्वयं हर चौराहे पर अलाव जलाने का कार्य करेगा, जिसकी शुरुआत रविवार से कर दी गई है। कार्यक्रम में विशेष सहयोग देने वालों में उपाध्याय जी, बहादुर सिंह, महामंत्री सुधा सिंह तथा सदस्यों में हेमंत सिंह, शैलेन्द्र शैलेंद्र सिंह सालन अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र, रवि बृजेंद्र सिंह राजन गुप्ता, स्थानीय व्यवसायी विष्णु यश अनुराग (छोटकन) लक्ष्मण अनुराग सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित रहे।

लखनऊ-वाराणसी व फैजाबाद-मुगलसराय पैसेंजर ट्रेन को पुनः चलाने की मांग

अयोध्या। अयोध्या लखनऊ–वाराणसी–पं. दीन दयाल उपाध्याय रेल खंड पर परिचालन विभाग द्वारा कोरोना काल से बंद किए गए गाड़ी सं– 54333ध34 (लखनऊ–वाराणसी पैसेंजर)तथा 54109ध10 (फैजाबाद–मुगलसराय पैसेंजर)को पुनः चलाए जाने के लिए गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद आरती जयसवाल ने नई दिल्ली स्थित बडौदा हाउस में मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक राजेश कुमार सिंह को पत्र दिया है। सभासद श्रीमती जायसवाल ने सीपीटीएम को बताया कि बीते साल परिचालन विभाग द्वारा इन दोनों ट्रेनों को बंद कर देने से इस रूट पर 2 दर्जन से अधिक छोटे–छोटे स्टेशनों के पास के हजारों यात्री जहां अपनी यात्रा करने से वंचित हैं वहीं इनकी विभागीय आय भी प्रभावित हो गई है।रेल लाइन दोहरीकरण होने से सभी स्टेशनों को हर सुविधा युक्त बनाकर विभाग द्वारा काफी विकास किया गया।स्टेशन वही,कर्मचारी वही,परंतु यात्री सुविधा एवं विभागीय आय नदारद। हाल यह है कि क्षेत्रीय जनता को अपने कोर्ट कचहरी कार्य से जनपद मुख्यालय पहुंचने के लिए अपने घर से कई किमी0 चलकर अपने नजदीकी बाजारों से अधि क किराया देकर प्राइवेट वाहनों से जनपद मुख्यालय पहुंचना पड़ता है। जिससे उनको शारीरिक, मानसिक तथा आर्थिक एवं समय का जहां नुकसान उठाना पड़ता है वही विभागीय आय में भी क्षति हो रही है।जब कि राजनैतिक दबाव में आज भी मनकापुर से अयोध्या धाम के बीच(44 कि मी0)मेमू ट्रेन सं0–64217ध18, मनकापुर से (वाया–अयोध्या कैंट)प्रयागराज के बीच (199किमी0) ट्रेन सं0– 14233ध34,अयोध्या कैंट से लखनऊ के बीच (127किमी0) ट्रेन सं0–64215ध16 तथा शाहगंज से बलिया के बीच (167किमी0) ट्रेन सं0–55135ध36 जैसी कई अन्य रूटों पर मेमू ट्रेन आज भी चल रही है। लेकिन अयोध्या कैंट से मुगलसराय के मध्य के यात्रियों को कोई मेमू ट्रेन की सुविधा नहीं दी गई।सभासद श्रीमती जायसवाल ने बताया कि जनहित में अगर ट्रेन संख्या 54333ध34 तथा 54109ध10 को मंजूरी दे दी जाती है तो जहां वादकारी अपने जनपद स्थित कोर्टकचहरी आसानी से पंहुच जाएंगे वहीं गरीबों को पैसेंजर ट्रेन मिल जाएगी। सीपीटीएम राजेश कुमार सिंह ने सभासद को आश्वस्त किया कि वे मामले को दिखवाते है।

रामनगरी में अतिथि सुविधाओं का विस्तार, नया सर्किट हाउस तेजी से ले रहा आकार

-30 कमरों वाला सर्किट हाउस बनेगा प्रशासनिक जरूरतों का नया केंद्र
-बढ़ते पर्यटन और सरकारी आवागमन को देखते हुए बनाया जा रहा नया सर्किट हाउस

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या न केवल देश, बल्कि वैश्विक स्तर पर आस्था, संस्कृति और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। इसी बढ़ती प्रतिष्ठा और आगंतुकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए शहर में अतिथि सुविधाओं और प्रशासनिक ढांचे का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में कौशल्या घाट के समीप एक अत्याधुनिक और भव्य नए सर्किट हाउस का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। यह सर्किट हाउस भविष्य में प्रशासनिक गतिविधि ायों, वीवीआईपी प्रवास और उच्चस्तरीय बैठकों का प्रमुख केंद्र बनेगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे इस महत्वाकांक्षी परियोजना की प्रारंभिक अनुमानित लागत लगभग 12.13 करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी, कौशल्या घाट के पास जी+3 बिल्डिंग में बन रहे इस सर्किट हाउस का अब तक लगभग 57 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष कार्य तीव्र गति से कराया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग, सीडी–2 के अधिशासी अभियंता उमेश चंद्र ने बताया कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप कराया जा रहा है तथा इसे तय समयसीमा के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। जिससे यह भवन रामनगरी की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को भी प्रतिबिंबित कर सके।राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद अयोध्या में केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपालों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधि ाकारियों और विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इसके साथ ही देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंच रहे हैं। इससे प्रशासनिक बैठकों, सुरक्षा व्यवस्थाओं और सरकारी गतिविधियों की आवश्यकता भी कई गुना बढ़ गई है। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए सर्किट हाउस के निर्माण का निर्णय लिया, ताकि अयोध्या आने वाले वीआईपी और वरिष्ठ अधि ाकारियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविध ाजनक आवास उपलब्ध कराया जा सके। निर्माण कार्य में पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उपयोग के साथ–साथ सौर ऊर्जा और आधुनिक तकनीकों को शामिल करने पर भी विचार किया जा रहा है। नया सर्किट हाउस कुल 30 कमरों से सुसज्जित होगा, जिनमें दो विशेष वीआईपी सुइट शामिल किए गए हैं। ये सुइट अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगे और विशिष्ट अतिथियों के लिए आरक्षित रहेंगे। भवन में मॉड्यूलर किचन, विशाल डाइनिंग हॉल, आकर्षक वॉल लाइटिंग, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था और लग्जरी बाथरूम जैसी विश्वस्तरीय सुविध ाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त प्रशासनिक बैठकों और सम्मेलनों के आयोजन के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी प्रस्तावित हैं, जिससे यह भवन बहुउद्देश्यीय उपयोग के लिए सक्षम बन सके। विशेषज्ञों का मानना है कि नया सर्किट हाउस अयोध्या के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के साथ–साथ शहर की वैश्विक पहचान को और सशक्त करेगा। यह भवन न केवल सरकारी अधि ाकारियों और वीआईपी के ठहरने का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि नीति निर्धारण, समीक्षा बैठकों और महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।अयोध्या महायोजना 2031 के तहत शहर को आस्था, भव्यता और आधुनिकता का संतुलित मॉडल बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस महायोजना में पर्यटन अवसंरचना का विकास, चौड़ी और आधुनिक सड़कें, घाटों का सौंदर्यीकरण, होटल और अतिथि गृहों का विस्तार शामिल है। नया सर्किट हाउस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी विजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। अनुमान है कि 2026 तक करोड़ों श्रद्धालु अयोध्या पहुंचेंगे। ऐसे में ठहरने और प्रशासनिक सुविधाओं को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। नया सर्किट हाउस इस दिशा में एक अहम कदम साबित होगा और अयोध्या की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

बस की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल

अयोध्या। प्रयागराज हाइवे पर पूराकलन्दर थाना क्षेत्र में पिपरी गांव के शनिवार को रोडवेज बस ने एक बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में पास बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको सीएचसी से जिला अस्पताल और फिर वहां से हायर सेंटर रेफर किया गया है।

रौनाही थाना क्षेत्र के सलारपुर इब्राहीम पुर निवासी अनुराग गुप्ता (21 वर्ष) पुत्र श्रीचंद गुप्ता और शशांक कुमार (20 वर्ष) पुत्र शिवप्रसाद शनिवार को परीक्षा देने बीकापुर अपनी बाइक से गए थे। वापस लौटते समय थाना क्षेत्र के पिपरी गांव के पास सामने से आ रही रोडवेज बस ने इनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी से रेफर होए के बाद जिला अस्पताल लाये जाने पर डाक्टर से हालत गंभीर देख दोनों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

घर से भागी किशोरियां परिवार के हवाले

अयोध्या। बिहार से अपने घर से भागी दो किशोरियों को रेलवे पुलिस ने ट्रेन में पकड़ा है। चाइल्ड लाइन की मदद से दोनों का शनिवार को जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया और बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर परिवार के हवाले किया है। रेलवे सुरक्षा बल ने बिहार के किशनगंज से चलकर अजमेर जाने वाली अजमेर गरीब नवाज एक्सप्रेस ट्रेन में अयोध्या कैंट पर जांच के दौरान लावारिश हाल में दो किशोरियों को बरामद किया। जिसमें एक की उम्र 14 साल और दूसरे की 15 साल थी। पूछताछ में दोनों ने खुद को बिहार प्रान्त के मुजफ्फरपुर जिले का निवासी बताया। कहा कि दिल्ली निवासी सहेली के पास जा रही हैं। परिवार वालों ने संपर्क किया गया तो पता चला की दोनों परिवार को कुछ बताये बिना घर से निकली हैं। एक की मां ने बताया कि उसने अपनी पुत्री को मोबाइल पर किसी से बात करने से मना किया था और मोबाइल छीनकर उसको डांटा था। जिसके बाद उसने अपनी सहेली के साथ भागने की योजना बनाई और दोनों यहां पहुंच गई।

दो दिवसीय विधायक खेल प्रतियोगिता का समापन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

-जब हम टीम भावना के साथ कार्य करते हैं, तभी सफलता मिलती : चंपत राय
-खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास रू वेद प्रकाश गुप्ता

अयोध्या। डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल में आयोजित दो दिवसीय विधायक खेल प्रतियोगिता का समापन रविवार को भव्य रूप से हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल और कप प्रदान किए। मुख्य अतिथि चंपत राय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलकूद से मिल–जुलकर काम करने की भावना विकसित होती है। जब हम टीम भावना के साथ कार्य करते हैं, तभी सफलता मिलती है। खेल प्रतियोगिताएं हार–जीत के साथ आत्ममंथन और आगे बेहतर करने की प्रेरणा देती हैं। खेल से शरीर स्वस्थ रहता है, जिससे पढ़ाई और जीवन दोनों में संतुलन बना रहता है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि विधायक खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी प्रतिभाओं को मंच देना है। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।प्रतियोगिता में वॉलीबॉल सीनियर बालिका वर्ग में डाभासेमर की टीम विजेता रही, जबकि आईएमए उपविजेता बनी। जूनियर वर्ग में भी डाभासेमर विजेता और आईएमए उपविजेता रही। सब–जूनियर बालिका वर्ग में आईएमए ने विजेता तथा श्री निर्भर सिंह इंटर कॉलेज ने उपविजेता का खिताब जीता। सीनियर बालक वर्ग में दुगवा की टीम विजेता रही, जबकि डाभासेमर उपविजेता बनी। सब–जूनियर वर्ग में ज्ञानापुर विजेता रहा, जबकि सब–जूनियर बालक वर्ग में भवदीय पब्लिक स्कूल ने विजेता एवं उपविजेता स्थान प्राप्त किया। कबड्डी सीनियर बालिका वर्ग में इनवेटिव माइंड एकेडमी विजेता रही।शॉटपुट प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग में सूरज सिंह ने प्रथम तथा अमन कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में दित्यांशी प्रथम और चांदनी द्वितीय रहीं। सीनियर बालक वर्ग में सागर प्रथम एवं शनि द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि बालिका वर्ग में नेहा ने प्रथम और सोनी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। दौड़ प्रतियोगिता में सब–जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर में रंजना देवी, 200 एवं 400 मीटर में गीता यादव तथा 600 मीटर में आयुषी विजेता रहीं। जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर में अम्बिका, 200 मीटर में कोमल यादव, 400 मीटर में रचना मौर्या तथा 1500 मीटर में पारूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीनियर बालिका वर्ग में 100 एवं 200 मीटर में खुशी, 400 मीटर में सुष्मिता यादव तथा 1500 मीटर में प्रीति विजेता रहीं।बालक वर्ग में सब–जूनियर श्रेणी में 100, 200 एवं 400 मीटर में आदर्श वर्मा तथा 600 मीटर में राज निषाद विजेता रहे। जूनियर वर्ग में 100 एवं 200 मीटर में शुभम पाल, 400 मीटर में श्रीयांश पाल तथा 1500 मीटर में अवनीश यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को ट्रैकसूट देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समापन सत्र में ब्लाक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह, अतुल सिंह, प्रमुख उद्योगपति राकेश लधानी, भाजप नेता अमल गुप्ता, मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह,दिनेश मिश्रा, दिव्य प्रकाश तिवारी, रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, हरभजन गौड़, दीपक सिंह गब्बर, लाल शुक्ला, नंद कुमार सिंह, वरुण चौधरी, उमाशंकर सिंह मुन्ना ने विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। मौके पर बडी संख्या में अधिकारी व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीणों की जीविका का जरिया बन रहा है माघ मेला 2026

प्रयागराज। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर 03 जनवरी 2026 से आयोजित होने जा रहे माघ मेला 2026 की शुरूआत के लिए अब दो हफ्ते का समय बाकी है । आस्था और अध्यात्म के यह महा समागम लाखों लोगों की जीविका का जरिया भी बन रहा है। महाकुंभ नगर के अंतर्गत आने वाले गांवों में की ग्रामीण महिलाओं की जीविका के महाकुंभ ने नए अवसर दे दिए हैं।

संगम किनारे 3 जनवरी 2026 से आयोजित होने जा रहा माघ मेला होटल, ट्रैवल और टेंटेज , फूड जैसे औद्योगिक सेक्टर के साथ छोटे मोटे काम करने वाले लोगों के लिए भी जीविका के अवसर प्रदान कर रहा है। गंगा किनारे आकार ले रही तंबुओं के इस नगर के अंतर्गत आने वाले 27 गांवों में पशुपालन से जुड़े कार्य में लगे परिवारों की 15 हजार से अधि क आबादी के लिए इस आयोजन ने जीविका का जरिया दे दिया है। नदी किनारे बसे कई गाँवों में इन दिनों ईंध ान के परम्परागत रूप उपलों का नया बाजार विकसित होने लगा है। इन गाँवों में नदी किनारे बड़ी तादाद में उपलों की मंडी बन गई है । गाँवों में इन दिनों गोबर से बने उपलों को बनाने में स्थानीय महिलाएं पूरे दिन लगी रहती हैं । मेला क्षेत्र के गंगा किनारे बसे बदरा सोनौटी गांव की विमला यादव का कहना है कि घर में चार भैंस और गाय हैं जिनसे साल भर हम उपले बनाते हैं और इन्हें इकट्ठा करते रहते हैं। माघ के महीने में कल्पवास करने आने वाले कल्पवासियों के यहां इनको भेजते हैं। मलावा खुर्द गांव की आरती सुबह से ही अपने घर की आम तौर पर खाली रहने वाली महिलाओं के साथ मिट्टी के चूल्हे तैयार करने में जुट जाती हैं।

आरती बताती हैं कि माघ मेले में कल्पवास करने आने वाले श्रद्धालुओं का खाना इन्ही चूल्हों पर तैयार होता है । इसके लिए अभी तक उनके पास सात हजार मिट्टी के चूल्हे तैयार करने के ऑर्डर मिल चुके हैं। साधु संतो के शिविरों में भी इनके उपले और चूल्हों की मांग अच्छी मांग है । प्रयागराज में सर्वाधिक कमाई करने वाले नाविक समाज में इस बार माघ मेले को लेकर सबसे अधिक उम्मीदें हैं। लगभग कर निषाद परिवार इस समय नई नाव संगम में उतारने की तैयारी में लगा है जिसके पीछे महाकुम्भ 2025 का उसका सुखद अनुभव है। दारागंज के दशाश्वमेध घाट की निषाद बस्ती में रहने वाले बबलू निषाद बताते हैं कि उन्होंने अपने रिश्तेदारों तक को माघ मेले के एक महीने के लिए बुला लिया है। माघ मेले में सरकार की तरफ से जिस तरह 12 से 15 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है उसमें अगर 5 करोड़ भी नावों से त्रिवेणी आए तो एक बार नाविक समाज की तकदीर बन जाएगी। महाकुंभ के आयोजन के बाद कल्पवास करने की शुरुआत करने वालों की संख्या में हर बार इजाफा होता है। एडीएम मेला दयानंद प्रसाद के मुताबिक इस बार माघ मेले में 6 हजार से अधिक संस्थाएं बसाई जा रही हैं। इसमें 4 लाख से अधिक कल्पवासियों को भी जगह मिलेगी । मेला क्षेत्र में बड़ी संस्थाएं वैसे तो कुकिंग के गैस के बड़े सिलेंडर का इस्तेमाल करती हैं क्योंकि इन्हें प्रतिदिन लाखों लोगों को भोजन कराना होता है। लेकिन धर्माचार्यों, साधु संतों और कल्पवासी अभी भी अपनी पुरानी व्यवस्था के अंदर ही खाना बनाते हैं। कुछ स्थानों पर आग लगने की घटनाओं में हीटर और छोटे गैस सिलेंडर का इस्तेमाल बड़ी वजह पाई जाने के मेला प्रशासन ने शिविरों में हीटर और छोटे गैस सिलेंडर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी ।

इस नई व्यवस्था की वजह से भी अब गांव की इन महिलाओं के हाथ से बने उपलों और मिट्टी के चूल्हों की मांग बढ़ गई है। तीर्थ पुरोहित प्रदीप तिवारी बताते हैं कि तीर्थ पुरोहितों के यहां ही सबसे अधि क कल्पवासी रुकते हैं। उनकी पहली प्राथमिकता पवित्रता और परम्परा होती है इसके लिए वह मिट्टी के चूल्हों पर उपलों से बना भोजन ही बनाना पसंद करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने किया 'गुफ्तगू' का विमोचन

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत जी ने 'गुफ्तगू' पत्रिका के नवीनतम अंक का विमोचन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साहित्यिक आयोजन में जाना मुझे बहुत अच्छा लगता है, लेकिन अत्यधिक व्यस्तता के कारण ऐसे कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पाता। उन्होंने गुफ्तगू पत्रिका की प्रशंसा की। कार्यक्रम का आयोजन शनिवार की देर शाम इटावा स्थित 'इटावा हिन्दी सेवा निधि' के मंच पर किया गया, कई अन्य पुस्तकों का भी विमोचन हुआ। चीफ जस्टिस ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं हरियाणा में एक साहित्यिक परिवार का रहने वाला हूं, मेरे दादाजी अपने समय के महत्वपूर्ण साहित्यकार थे, उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हुई थीं।

वंदे मातरम् का गान राष्ट्र का यशगान और प्राण- डा उदय प्रताप सिंह

महापौर बोले- राष्ट्र विरोधी के लिए काल बनेगा वंदे मातरम का गान
प्रयाग उत्थान समिति के द्वारा निकाली गई सामूहिक वंदे मातरम यात्रा

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के तत्वाधान में समिति के अध्यक्ष एवं ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज के डायरेक्टर डॉ उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में तिरंगा झंडा लहरा कर राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के गीत और उद्घोष कर सामूहिक वंदे मातरम यात्रा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश आज राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ मना रहा है। इसके बावजूद इस देश के अंदर आज भी कांग्रेस सपा जैसे तथाकथित राजनैतिक दल अपने वोट बैंक के लिए राष्ट्र विरोध ी ताकतों को मजबूत करने के लिए वंदे मातरम गीत का अपमान करते हैं। जिसे अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने संसद के अंदर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के विरोधियों को करारा जवाब दिया है और अब बारी देशवासियों की है।महापौर गणेश केसरवानी ने सामूहिक वन्दे मातरम् यात्रा का भव्य स्वागत बैरहना में किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वंदे मातरम राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए काल बन जाएगा। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने किया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया सामूहिक वन्दे मातरम् यात्रा का स्वागत जगह जगह पर मां भारती के झांकी पर पुष्प अर्पित करते हुए किया गया। यात्रा ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज करैला बाग से मां भारती की झांकी के साथ सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ निकली जो नूर उल्ला रोड, अटाला, गोल पार्क, बलुवाघाट, कटघर, मुट्ठीगंज, राम भवन, कोठा पार्चा, मेडिकल कॉलेज, सुभाष चौराहा सिविल लाइन, एजी ऑफिस, डी आई जी आफिस, पुलिस लाईन, बेली कलश चौराहा, लक्ष्मी टॉकीज चौराहा, युनिवर्सिटी, बालसन चौराहा, गीता निकेतन, बैरहना होते हुए नारी बारी में संपन्न हुई।यात्रा में राजेश केसरवानी अनुराग सिंह, अजीत सिंह , हिमांशु, शिवम अग्रहरी, अभिलाष केसरवानी, शुभम अन्नू केसरवानी, रजत सोनकर मोनू सेठ, सुनील केसरवानी, दीपक केसरवानी आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

सरकारी जमीनों को भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवंटित करने की डान ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। एक ओर जहां संविधान के अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता व छुआछूत मुक्त भारत देश के साथ संविधान के अनुच्छेद 15 जातिविहीन भारत देश का निर्माण व संविधान के अनुच्छेद 39 (ख) जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के साथ–साथ संविधान के अनुच्छेद 13 रूढ़िवादी प्रथा को समाप्त कर वैज्ञानिकता पर आधारित समाज निर्माण करना है। संविधान के सम्मान में

डा. अम्बेडकर वेलफेयर नेटवर्क (डॉन) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधि ावक्ता आईपी रामबृज के नेतृत्व में यमुनापार की तहसील करछना विकास खण्ड कौंधियारा और चाका स्थित दर्जनों ग्रामसभाओं में संविधान के सम्मान में संविध ाान पदयात्रा के तीसरे चरण के चौदहवां दिन तहसील करछनाके प्रांगण में प्रदर्शन किया गया।डान के इस प्रदर्शन में यमुनापार को जिला घोषित करने, उत्तर प्रदेश स्थित अनुसूचित जाति की उप जाति कोल को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने, विधानसभा बारा और कोरांव को अनुसूचित जनजाति हेतु सुरक्षित करने की मांग की गई। डॉन संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने केंद्र और राज्य की सरकारों से मांग की है कि संविधान के अनुच्छेद 39 ख के तहत सम्पत्ति का बंटवारा होना चाहिए जिसके लिए जमीन और उद्योगो का राष्ट्रीयकरण जरूरी है।आईपी रामबृज ने बताया कि चकबंदी के उपरान्त निकली अतिरिक्त जमीनों बंजर, परती, ऊसर, सीलिंग, भूदान और समाज कल्याण व ग्रामसमाज की जमीन एक अभियान चलाकर भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवासीय और कृषि कार्य का पट्टा किया जाय।तहसील करछना के प्रांगण में संविधान के सम्मान में संविधान पदयात्रा के तीसरे चरण का समापन किया गया तथा राष्ट्रपति व राज्यपाल, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायाब तहसीलदार अनुग्रह सिंह को सौंपा गया।

धर्म राष्ट्र के उत्कर्ष के लिए एकजुट हों हिन्दू- अनिरुद्ध महाराज

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत सकल हिंदू समाज पंचं क्रोशी बस्ती कल्याणी नगर के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के मुख्य वक्ता प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉ अनिरुद्ध जी महाराज ने हिंदू समाज को संबोधित करते हुए कहा कि ध र्म राष्ट्र की स्थापना के लिए हिंदू समाज एकजुट हो और राष्ट्र के उत्कर्ष के लिए आगे बढ़ें और राष्ट्र विरोधी ताकतों को कुचल मसल दें। उन्होंने कहा जब–जब हिंदू समाज बिखरा है। मुगलों के द्वारा तो कभी अंग्रेजों के द्वारा काटे गए हैं। हमारे पूर्वजों ने बहुत दर्द सहे हैं इसलिए हमें अपनी सनातनी संस्कृतियों विरासत को बचाने के लिए हमारे वाली पीढ़ी के लिए एकजुट होना होगा।इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के गौ रक्षा प्रमुख लालमणि तिवारी ने कहा बांग्लादेश पाकिस्तान में जिस प्रकार से हिंदुओं को पर अत्याचार हो रहा है ऐसे में भारत की हिंदुओं को सोचने होगा क्या भारत में हम सुरक्षित हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुमार नारायण ने किया कहा हिंदू समाज एक हो और राष्ट्र को मजबूत करें। कार्यक्रम का समापन मां भारती के आरती के साथ सामूहिक वंदे मातरम गीत के साथ किया गया। संचालन राजेश केसरवानी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक शत्रुघ्न जायसवाल एवं मुकेश जायसवाल ने आए हुए अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर आरएसएस के भाग प्रचारक देवदत्त, सहकार्यवाह आशीष, वीरेंद्र श्रीवास्तव, धर्म नारायण, दिनेश चंद्र, कमलेश पाल, अभिलाष केसरवानी, मुकेश जोशी एवं सैकड़ो संघ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोला गोकर्णनाथ में अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस श्रद्धा और एकाग्रता के साथ मनाया गया।

गोला गोकर्णनाथ खीरी।

,अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस,के अवसर पर गोला गोकर्णनाथ स्थित ,ब्रह्माकुमारी आश्रम, में एक गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न संप्रदायों एवं मिशनों से जुड़े साधक, विद्वान एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की और ध्यान के महत्व पर अपने–अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने "ज्ञान की जननी" को केंद्र में रखते हुए ध्यान की भूमिका पर प्रकाश डाला। बताया गया कि ध्यान न केवल पृथ्वी पर सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, बल्कि परमपिता परमेश्वर से जुड़ने का सशक्त माध्यम भी है। ध्यान शब्द की व्याख्या करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यह दो शब्दोंकृ'ध्य' (स्व) और 'आन' (चेतना) से मिलकर बना है, जिसका संस्कृत अर्थ है स्वयं का ध्यान रखना।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि जब मनुष्य बाहरी संसार की व्यस्तताओं से निकलकर अपने अंतर्मन में झांकता है और स्वयं में केंद्रित होता है, तब उसे विभिन्न प्रकार का आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त होता है, जो जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। मुख्य अतिथियों के रूप में उपस्थित डॉ. रविंद्र नाथ, डॉ. पूनम , राम नरेश मुख्य डॉ रामनरेश वर्मा जी इंजीनियर ऐबी शुक्ला तथा कार्यक्रम के संचालक आदेश ने ध्यान के वैज्ञानिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ध्यान तनावमुक्त जीवन, मानसिक शांति और आत्मिक उन्नति का प्रभावी साधन है, जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में केंद्र प्रभारी राधेश्याम ने सामूहिक ध्यान कराया गया, जिससे उपस्थित जनसमूह ने गहन शांति एवं ऊर्जा की अनुभूति की। ब्रह्माकुमारीज संस्था से बीके रोली दीदी तथा बीके सुनीता दीदी ने सभी को कमेंट्री द्वारा राजयोग की गहन अनुभूति कराई।आयोजन को लेकर प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नंबर एक पावर हाउस फीडर आए दिन से उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का करना पड़ता है सामना

लखीमपुर खीरी। शहर के नंबर एक पावर हाउस के अंतर्गत आने वाले फीडर आए दिन ट्रिपिंग का शिकार होते रहते हैं इससे उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है बिजली विभाग की लापरवाही के चलते विद्युत उपभोक्ताओं को नहीं मिल पाती समय से बिजली आपूर्ति की सप्लाई आपको बताते चले नंबर एक पावर हाउस की विद्युत आपूर्ति पिछले दो घंटे से बाधित पड़ी है आला अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते विद्युत आपूर्ति की बाधित करने में बिजली विभाग के गर्मियों की मनमानी दिन भर शटडाउन लिया करते हैं कभी जम्फर उड़ जाने के नाम पर तो कभी फेस उड़ जाने के नाम पर विद्युत सप्लाई बाधित करते रहते हैं तो कभी तार टूटने के नाम पर बिजली आपूर्ति बाधित रहती है जेई व अधिकारियों को इसकी जानकारी तक नहीं होती विभाग के संविदा कुर्मी ही विभाग को चलाने में जुटे हैं।

एकमुश्त समाधान योजना से हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

लखीमपुर–खीरी। शासन द्वारा बिजली बकाएदारों को राहत देने के उद्देश्य से एकमुश्त समाधान योजना संचालित की जा रही है। यह योजना तीन चरणों में लागू की जा रही है, जिसका पहला चरण 1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। इस चरण में बकाया बिजली बिल पर लगे ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, वहीं मूल धनराशि पर भी 25 प्रतिशत तक की छूट का व बिजली चोरी करने वालों के लिए भी छूट है कटिया चोरी में पकड़े हुए के लिए 50: असेसमेंट की छूट का प्रावधान है। इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए उपकेंद्रों के अलावा विभिन्न स्थानों पर राहत शिविर भी लगाए जा रहे हैं। गोला डिवीजन के अधिशासी अभियंता अरविन्द कुमार ने बताया कि एकमुश्त समाधान योजना के तहत 11 पावर हाउसों पर कुल 4686 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 4136 लाभार्थियों ने योजना का पूरा लाभ उठाया। निघासन व धौरहरा अधिशासी अभियंता रविन्द्र यादव ने बताया

7 पावर हाउसों के अंतर्गत कुल 5500 पंजीकरण हुए, जिनमें से 5150 उपभोक्ताओं ने एकमुश्त भुगतान कर योजना का लाभ लिया, जबकि लगभग 350 उपभोक्ताओं ने आंशिक भुगतान किया। मितौली अधिशासी अभियंता अमित कुमार ने बताया डवीजन में 12 पावर हाउसों पर 6144 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया। इनमें से 6016 लाभार्थियों ने एकमुश्त राशि जमा कर योजना का लाभ उठाया, वहीं 128 उपभोक्ताओं ने पार्ट पेमेंट कराया।

पलिया कला अधिशासी अभियंता निशांत ज्योति ने बताया डिवीजन में कुल 3200 पंजीकरण हुए, जिनमें से 2800 उपभोक्ताओं ने एकमुश्त भुगतान किया और लगभग 400 ने आंशिक भुगतान का विकल्प चुना। वहीं मोहम्मदी के अधिशासी अभियंता रंजीत कुमार ने बताया डिवीजन में कुल 53127 उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया। इनमें से 3451 लाभार्थियों ने एकमुश्त समाधान योजना का लाभ लिया, जबकि 476 उपभोक्ताओं ने पार्ट पेमेंट किया। लखीमपुर डिवीजन के अधिशासी अभियंता शैलेन्द्र कुमार सिंह से जब जानकारी लेनी चाही लेकिन नहीं मिल सकी

सीएमओ ने सेमरई व मैलानी में संचालित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। जिले में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों का निरीक्षण रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संतोष गुप्ता ने किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरधान के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरध्प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरई तथा बांकेगंज ब्लॉक के मैलानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर संचालित स्वास्थ्य मेलों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीपीएम अनिल यादव भी उपस्थित रहे। सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने मेले में उपलब्ध चिकित्सकीय सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, पंजीकरण व्यवस्था और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। स्वास्थ्य मेलों में एलोपैथिक चिकित्सा के साथ–साथ आयुर्वेद एवं होम्योपैथिक पद्धति से भी रोगियों का उपचार किया जा रहा था, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को एक ही स्थान पर बहुआयामी चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो सकें। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का मुख्य उद्देश्य दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निःशुल्क जांच, परामर्श और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराना है। इन मेलों के माध्यम से बुखार, सर्दी–खांसी, रक्तचाप, मधुमेह, त्वचा रोग सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की जाती है। साथ ही गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सीएमओ ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों से शालीन व्यवहार रखते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना का अधिकतम लाभ आम जनता तक पहुंच सके।

विद्या निकेतन की छात्रा निबन्ध प्रतियोगिता में अव्वल।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्थानीय विद्यालय विद्या कुँवरि स्मारक सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज की छात्रा नैन्सी वर्मा कक्षा 12 ने सुशासन दिवस के अवसर पर श्भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी एवं सुशासन' विषय पर आयोजित तहसील स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 20 दिसम्बर 2025 को किया गया था जिसमे गोला गोकर्णनाथ तहसील के विद्यालयों के कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमे प्रतिभागियों को पूर्व प्रधानमंत्री के जीवनकाल और उनकी उपलब्धियों को अधिकतम एक हजार शब्दों में निबंध के रूप में प्रस्तुत करना था।

विद्यालय के प्राचार्य महेन्द्र कुमार त्रिपाठी एवं बालिका विभाग की प्राचार्या श्रीमती मधु त्रिपाठी ने इस गौरवशाली उपलब्धि पर छात्रा को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

आयकर अपीलीय अधिकरण, लखनऊ पीठ की रजत जयंती समारोह संपन्न

लखनऊ। आयकर अपीलीय अधिकरण, लखनऊ पीठ की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती समारोह आज अंसल गोल्फ सिटी, लखनऊ स्थित ग्रांड ओपेरा बैंक्वेट, होटल डैमसन प्लम में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री, भारत सरकार अर्जुन राम मेघवाल द्वारा की गई। कार्यक्रम न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सी.वी. भडंग, अध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण के सान्निध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने वरिष्ठ बार सदस्यों एवं आयकर अपीलीय अधिकरण के पूर्व सदस्यों का सम्मान किया। अपने मुख्य संबोधन में मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आयकर अपीलीय अधिकरण को देश की कर–न्याय व्यवस्था का सुदृढ़ स्तंभ बताते हुए कहा कि यह संस्था दशकों से करदाताओं को निष्पक्ष, सुलभ एवं त्वरित न्याय प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि तकनीकी जटिलताओं से मुक्त, कम खर्चीली एवं विशेषज्ञता–आधारित न्यायिक प्रक्रिया विकसित कर अधिकरण ने लोकतांत्रिक शासन में न्याय तक पहुँच को सरल बनाया है। मंत्री ने अधिकरण द्वारा अपनाई गई डिजिटल पहलों की सराहना करते हुए कहा कि ई–हियरिंग एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं से दूरस्थ क्षेत्रों के करदाताओं को भी समयबद्ध न्याय सुलभ हो रहा है, जिससे न्यायिक प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनी है। इस अवसर पर विधि कार्य विभाग, भारत सरकार के सचिव राजीव मणि, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, लखनऊ (उ.प्र. पूर्व) अमल पुष्प तथा प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, कानपुर (उ. प्र. पश्चिम) अपर्णा करण ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आयकर अपीलीय अधिकरण की न्यायिक भूमिका एवं कर–विवाद निस्तारण में इसके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान आयकर अपीलीय अधिकरण के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इसकी स्थापना 25 जनवरी 1941 को हुई थी और यह देश का सबसे पुराना अर्ध–न्यायिक अधिकरण है। समय–परीक्षित परंपराओं एवं कार्यप्रणाली के कारण इसे "मातृ अधिकरण" के रूप में भी जाना जाता है, जिसकी कार्यशैली को देश के अन्य अनेक अधिकरणों द्वारा अपनाया गया है। लखनऊ पीठ के संदर्भ में अवगत कराया गया कि इसकी स्थापना 05 मई 2000 को हुई थी तथा अगस्त 2000 में पहली सुनवाई प्रारंभ हुई। वर्तमान में लखनऊ में दो पीठें कार्यरत हैं, जो उत्तर प्रदेश के 16 जिलों से संबंधित आयकर अपीलों की सुनवाई कर रही हैं। बीते 25 वर्षों में लखनऊ पीठ द्वारा 16 हजार से अधिक आयकर अपीलों का निस्तारण किया गया है, जबकि वर्तमान में 1592 अपीलें लंबित हैं, जिनकी नियमित सुनवाई की जा रही है। आयोजित तकनीकी सत्र की अध्यक्षता उपाध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण, लखनऊ अंचल द्वारा की गई। तकनीकी सत्र में आयकर अधिनियम, 2025 विषय पर विस्तृत विचार–विमर्श हुआ, जिसमें कर कानून से जुड़े समसामयिक मुद्दों पर विशेषज्ञों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए। समारोह में अध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण सी. वी. भडंग, उपाध्यक्ष, आयकर अपीलीय अधिकरण, मुंबई शक्तिजीत डे, न्यायिक सदस्य, आईटीएटी मुंबई अमित शुक्ला सहित आयकर अपीलीय अधिकरण के अनेक वर्तमान एवं भूतपूर्व सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी एवं गोरखपुर की आईटीएटी बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

पर्यटन विभाग द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर बुन्देलखण्ड पर आधारित शोभा यात्रा एवं झांकी निकाली जायेगी : जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष की भांति गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2026) समारोह का आयोजन करने जा रही है। राष्ट्रीय उत्सव को और अधिक गरिमामय स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जो 'बुंदेलखंड' की थीम पर आधारित होगी। शोभायात्रा के माध्यम से बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शौर्य, लोक परंपराओं और विविधता को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि यह थीम बुंदेलखंड की वास्तुकला, वीरतापूर्ण विरासत तथा सांस्कृतिक पहचान को उसके प्रतिष्ठित किलों–कालिंजर, झांसी, ओरछा, चरखारी और महोबा के माध्यम से प्रस्तुत करेगी, जो साहस, धरोहर और क्षेत्रीय कला–कौशल के प्रतीक हैं। शोभायात्रा के सफल आयोजन के लिए पर्यटन विभाग ने एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शोभायात्रा में कथानक के माध्यम से बुंदेलखंड की गौरवशाली विरासत को सशक्त और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें क्षेत्र के प्राचीन स्थापत्य, सांस्कृतिक परंपराओं, लोककला और जीवनशैली को रेखांकित करते हुए उसकी अलग पहचान को उभारा जाएगा। कथानक में वीरता एवं शौर्य के उन ऐतिहासिक प्रतीकों को भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिन्होंने इस भाग को साहस और स्वाभिमान की भूमि के रूप में स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, बुंदेलखंड के किलों और महलों की पर्यटन संभावनाओं को दर्शाते हुए यह संदेश दिया जाएगा कि यह क्षेत्र विरासत, संस्कृति और पर्यटन के दृष्टिकोण से देश–विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनने की क्षमता रखता है। बुंदेलखंड की लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करती शोभायात्रा दर्शकों को प्रदेश की विरासत, परंपरा और उत्सव के रंगों में सराबोर कर देगी। बुंदेली सांस्कृतिक नृत्य कलाकार शोभायात्रा के दौरान रंगारंग प्रस्तुति देते हुए पारंपरिक वेशभूषा में सजे–धजे नजर आएंगे। वहीं, ढ़ोल–नगाड़ों की थाप के साथ उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति वातावरण को उत्साह से भर देगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा महज सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि बुंदेलखंड के शौर्य, स्वाभिमान और समृद्ध विरासत का उत्सव होगा। बुंदेलखंड थीम के माध्यम से हम अपनी ऐतिहासिक धरोहर, लोक परंपराओं और स्थापत्य को राष्ट्रीय मंच पर प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन न केवल क्षेत्र की विशिष्ट पहचान को सुदृढ़ करेगा, बल्कि बुंदेलखंड को पर्यटन के एक प्रमुख आकर्षण के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर बुंदेलखंड थीम आधारित शोभायात्रा राज्य की सांस्कृतिक विरासत को नवाचार और गरिमा के साथ प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम होगी। विभागीय प्रयास है कि शोभायात्रा के माध्यम से बुंदेलखंड की विशिष्ट पहचान और पर्यटन संभावनाओं को नई गति मिले।

रामपुर से 'वोट बचाओ, संविधान बचाओ' की हुंकार

संजय सिंह के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की 6 दिवसीय पदयात्रा का आगाज

रामपुर,लखनऊ(संवाददाता) । भाजपा द्वारा लोकतंत्र और संविधान पर किए जा रहे सुनियोजित हमलों के खिलाफ रामपुर की धरती से एक निर्णायक संघर्ष की शुरुआत हुई। आम आदमी पार्टी की 'वोट बचाओ, संविधान बचाओ' पदयात्रा का शुभारंभ रविवार को आसरा कॉलोनी, पहाड़ी गेट, रामपुर से हुआ। प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गांधी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर वोट और संविधान की रक्षा की इस लड़ाई का संकल्प लिया। उनके नेतृत्व में शुरू हुई यह छह दिवसीय पदयात्रा जनता को संगठित कर वोट चोरी और संविधान को कमजोर करने की साजिशों के खिलाफ जनआंदोलन का रूप ले रही है।पदयात्रा की शुरुआत के मौके पर संजय सिंह ने कहा कि बापू ने अपने पूरे जीवन में अहिंसा, भाईचारे और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश दिया। आज उसी विचारधारा को बचाने का संकल्प रामपुर की धरती से लिया गया है। उन्होंने कहा कि नफरत की राजनीति से न देश बन सकता है और न समाज। यह पदयात्रा सिर्फ पैदल मार्च नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की हुंकार है, जो सड़क से संसद तक गूंजेगी।आसरा कॉलोनी, पहाड़ी गेट पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर के नाम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मिलकर साढ़े तीन करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काटने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के वोट छीने जा रहे हैं। इसी साजिश के खिलाफ यह पदयात्रा शुरू की गई है, क्योंकि अब यह लड़ाई केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि वोट, संविधान, लोकतंत्र और स्वाभिमान को बचाने की है।संजय सिंह ने कहा कि वोट की ताकत ही वह शक्ति है, जिसके सामने प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक को झुकना पड़ता है। जिस दिन वोट का अधिकार खत्म हो जाएगा, उस दिन सत्ता लाठी के दम पर जनता को कुचल देगी। उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान ने राष्ट्रपति और गांव के मजदूर के वोट की कीमत एक समान तय की है, लेकिन आज उसी अधिकार पर डाका डाला जा रहा है।उन्होंने मुरादाबाद में बीएलओ सर्वेश सिंह की मौत का उल्लेख करते हुए कहा कि अत्यधिक दबाव में आकर उन्होंने रोते हुए वीडियो बनाया और जान दे दी। देशभर में 40 से अधिक बीएलओ आत्महत्या कर चुके हैं, लेकिन भाजपा सरकार को केवल वोट चोरी के अपने लक्ष्य की चिंता है। संजय सिंह ने रामपुर की 80 वर्षीय बीमार बुजुर्ग महिला नूरजहां का उदाहरण देते हुए कहा कि नियमों के अनुसार एसआईआर फॉर्म भरने के बावजूद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई, जो सत्ता की संवेदनहीनता और क्रूरता को उजागर करती है।भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि संसद में प्रदूषण से हर साल होने वाली 20 लाख मौतों, बेरोजगारी, किसानों को खाद न मिलने, रुपये की गिरावट और बीएलओ की मौत जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा से सरकार भागती है। सरकार केवल वंदे मातरम् और नफरत की राजनीति पर बात करना चाहती है। उन्होंने मनरेगा में भ्रष्टाचार, महात्मा गांधी के नाम को योजनाओं से हटाने, स्कूल बंद करने और डिटेंशन सेंटर की योजनाओं पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिस दिन आम आदमी पार्टी की सरकार बनेगी, सबसे पहले स्कूलों और अस्पतालों को मजबूत किया जाएगा।संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि यह छह दिवसीय पदयात्रा रोजगार, किसान, मजदूर और वोट चोरी जैसे हर मुद्दे पर सरकार को बेनकाब करेगी और यह संघर्ष लगातार जारी रहेगा। यह पदयात्रा 21 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलेगी, जो रामपुर से शुरू होकर मुरादाबाद और अमरोहा तक जाएगी। पदयात्रा के दौरान जगह–जगह जनसभाएं और जनसंवाद आयोजित कर आम जनता को वोट और संविधान बचाने की लड़ाई से जोड़ा जाएगा।पदयात्रा के पहले दिन का समापन रात्रि विश्राम के साथ हुआ। यात्रा अपने पहले पड़ाव पर जे. आर. पैलेस, अंबेडकर पार्क के पास, सीआरपीएफ के सामने, मुरादाबाद रोड, रामपुर पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने संजय सिंह का जोरदार स्वागत किया और पदयात्रा में शामिल होकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के इस आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

मिशन शक्ति के तहत पतोरा गंज में महिलाओं और छात्राओं को किया गया जागरूक, पिंक बूथ टीम ने दिया सशक्तिकरण का संदेश

लखनऊ(संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं और बच्चों को सशक्त एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 21 दिसंबर 2025 को थाना मदेयगंज की पिंक बूथदृ61 टीम द्वारा पतोरा गंज, त्रिवेणी नगर क्षेत्र में विशेष भ्रमण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान महिला उप निरीक्षक सविता सिंह और महिला हेड कांस्टेबल ज्योति ने उपस्थित महिलाओं और बच्चों को उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन शक्ति' के उद्देश्यों से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति महिलाओं को हिंसा से सुरक्षित रखने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने का अभियान है। उन्होंने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण और अन्य अपराधों की पहचान, उनसे बचाव के उपाय और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया।पिंक बूथ टीम ने आपात स्थितियों में त्वरित सहायता के लिए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। महिलाओं को 1090 महिला पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्डलाइन, 112 एकीकृत आपातकालीन सेवा, 108 एम्बुलेंस, 1076 नागरिक शिकायत केंद्र और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के उपयोग के बारे में बताया गया। साथ ही यूपी कॉप ऐप के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत, सहायता और सुरक्षा सुविधाओं के बारे में भी जागरूक किया गया, ताकि महिलाएं तकनीक का सही उपयोग कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ कमिश्नरेट के सभी 54 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन केंद्रों पर निरीक्षक, अतिरिक्त निरीक्षक, उप निरीक्षक और महिला उप निरीक्षक की तैनाती की गई है, ताकि थानों पर आने वाली महिलाओं की समस्याओं का त्वरित और संवेदनशील निस्तारण किया जा सके। पिंक बूथ को महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और सहायता प्रणाली के रूप में विकसित किया गया है, जहां वे बिना किसी डर के अपनी बात रख सकती हैं।अधिकारियों ने महिलाओं और छात्राओं को शिक्षा के महत्व, स्वास्थ्य और स्वच्छता, डिजिटल सुरक्षा तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है, जिससे महिलाएं और बच्चे अपराधों से स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम में लगभग 25 से 30 महिलाओं, छात्राओं और बच्चों ने भाग लिया और पिंक बूथ टीम के साथ अपनी समस्याएं और अनुभव साझा किए।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें सुरक्षा के प्रति सजग बनाते हैं। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ का मिशन शक्ति अभियान महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रहा है, जो गली–मोहल्लों तक सुरक्षा और अधिकारों का संदेश पहुंचा रहा है।

युवक की पीट-पीटकर हत्या, पड़ोसी ने लात मारकर गेट खुलवाया

लखनऊ। राजधानी में युवक की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। युवक की पहचान 30 वर्षीय शिव प्रकाश के रूप में हुई। पुलिस ने मृतक की पत्नी, उसके प्रेमी और उसकी बहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना शनिवार आधी रात पारा थाना क्षेत्र के पूर्वीदीन खेड़ा में हुई। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के भदेसरमऊ के रहने वाले शिव प्रकाश पूर्वीदीन खेड़ा में पत्नी के साथ रहते थे। उनके पिता शिवदीन ने बताया बेटे शिव प्रकाश की पत्नी सविता का पड़ोसी सतीश से अवैध संबंध है। उसने मेरे बेटे की हत्या कराई है। इसमें उसकी बहन कविता ने भी साथ दिया है। वहीं, सविता ने कहा सतीश पर पति की हत्या की है। बीच–बचाव के दौरान मुझे भी पीटा है। पुलिस सतीश को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शिव प्रकाश की पत्नी सविता ने बताया घर से करीब 200 मीटर दूर रहने वाले सतीश से मेरे पति का पुराना विवाद चल रहा है। सतीश के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। इससे सतीश हमारे परिवार से रंजिश रखता है। शनिवार रात करीब 1 बजे वह घर के बाहर पहुंचा। गाली–गलौज करते हुए घर के गेट पर लात मारने लगा। शोर–शराबा सुनकर पति ने गेट खोला। गेट खुलते ही सतीश पति को घसीटते हुए सड़क पर ले गया। वहां लोहे के रॉड से उन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। मैं बचाने पहुंची तो मुझे भी पीटा। पति को मरा समझकर मौके से भाग गया। पड़ोसियों की मदद से मैं पति को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भदेसरमऊ के रहने वाले शिवदीन ने बताया मेरा बेटा शिव प्रकाश पूर्वीदीन खेड़ा में झोपड़ी बनाकर रहता था। वहां से रोज मजदूरी करने अलग–अलग स्थानों पर जाता था। शनिवार आधी रात करीब ढाई बजे सविता ने मुझे फोन किया। उसने कहा कि सतीश ने शिव प्रकाश को मार डाला है। उसके बाद उसने फोन काट दिया। मैं लगातार फोन करता रहा, लेकिन फिर रिसीव नहीं किया। शिवदीन ने बताया कि सविता से सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचे। पता चला कि बेटे को पीट–पीटकर मार डाला गया है। उन्होंने इसकी पारा थाने में शिकायत दी। उन्होंने कहा– शिव प्रकाश की पत्नी सविता का पड़ोसी सतीश से अवैध संबंध है। इसकी शिव प्रकाश को जानकारी हुई तो उसने विरोध किया था।

विज्ञान व क्रॉफ्ट प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

मैगलगंज खीरी। मैगलगंज के हैरमखेड़ा प्रेम नगर स्थित सेक्रेट हार्ट एकेडमी में बच्चों के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी में तमाम तरीके के माडलों को प्रस्तुत किया गया। साथ ही साथ नन्हे–मुन्ने छात्रों के द्वारा रंग–बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। मैगलगंज के हैरमखेड़ा प्रेमनगर स्थित सेक्रेट हार्ड एकेडमी में साइंस,आर्ट्स व क्राफ्ट्स एग्जिबिशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के द्वारा कई तरह के माडलों को प्रदर्शित किया गया। बच्चों के द्वारा प्रस्तुत की गई प्रदर्शनी का अवलोकन अभिभावकों व निर्णायक मंडल के द्वारा किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बौद्धिक, मानसिक व तमाम तरीके के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी छात्र छात्राओं के द्वारा मंच पर प्रदर्शित किया गया। मैनेजर फादर जिमी ने बताया कि समय–समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। हमारे बच्चों का सर्वांगीण विकास भी होता है। प्रधानाचार्य फादर एबिन ने बताया कि प्रदर्शनी में बच्चों ने साइंस,आर्ट्स संबंधी तरह तरह के माडल बनाकर अपनी बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। कार्यक्रम में अनिल राठौर, जसपाल सिंह, प्रदीप कुमार सिंह,गौरव गुप्ता, नवीन गुप्ता, अमित शेखर शर्मा व स्कूल स्टाफ में मनप्रीत सिंह, रंजना, भूपेंद्र , नरेंद्र, कमल, रूपा समेत समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

बेहोशी हालत में मिले युवक की इलाज के दौरान मृत्यु

धौरहरा खीरी। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव निवासी युवक ने मेरे भाई को झांसे में लेकर तीन दिन पूर्व बाईक पर लेकर गये जो बाद में गंभीर रूप से अधमरी जैसी बेहोशी की हालत में गांव निवासी एक युवक के दरवाजे पर मिले।जिनको सीएचसी धौरहरा व बाद में जिला चिकित्सालय भेजा गया जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। रविवार को मृतक के भाई व पत्नी ने पुलिस को तहरीर दी फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच करने की बात कही। जानकारी के अनुसार रविवार को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत कलुवापुर निवासी रामू पुत्र केशवराम राजपूत ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती दिनांक 18.12.25 को शाम 6 बजे मेरा भाई श्रवण कुमार उम्र करीब 35 वर्ष गांव निवासी रामचंद्र पुत्र रघुवीर पाल के दरवाजे पर आग ताप रहे थे तभी गांव निवासी युनुस पुत्र फैय्याज नाई मेरे भाई को बाईक पर लेकर कही ले गया था।काफी देर बाद मेरे भाई गंभीर रूप से घायल हालत में गांव निवासी सत्य कुमार के बताने पर उठा लाए।हालत दयनीय होने पर सी एस सी धौरहरा व जिला चिकित्सालय ईलाज को ले गये जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरे भाई को युनुस नाई ने मारा पीटा है। मृतक के पांच बच्चों में काजल 15.प्रांसी 10. आशीकी 8.आरुष 6 शिवा 4 बच्चे भी हैं। पुलिस ने मामले में जांच कर कार्रवाई करने की बात कही।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ० प्र० से प्रकाशित।

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.

9807059191. 9026560178

Email-

adbhutsamachar@gmail.com

adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।